

शवि सर्कटि में शामिल होगी 'महादेव गुफा'

चर्चा में क्यों?

हाल ही में कुमाऊँ मंडल विकास नगिम के साहसकि पर्यटन प्रबंधक दनिश गुरुरानी ने बताया कचीन सीमा से लगे उत्तराखंड के गाँव सीपू के नकिट स्थति पौराणकि महादेव गुफा को शवि सर्कटि से जोड़ा जाएगा ।

प्रमुख बदि

- गुरुरानी के अनुसार कुमाऊँ मंडल विकास नगिम द्वारा धारचुला की उच्च हमिलयी दारमा घाटी के अंतमि गाँव सीपू के समीप स्थति इस गुफा को आर्द कैलाश यात्रा मार्ग में शामिल करने से धार्मकि पर्यटन को नया अवसर प्राप्त होगा ।
- पौराणकि मान्यताओं (शवि पुराण) के अनुसार, सती के अग्नकिंड में समाहति हो जाने के बाद भगवान शवि ने इसी गुफा को अपनी तपस्थली बनाया था ।
- गौरतलब है किराज्य में वदियमान वभिन्नि शवि मंदरिों को धार्मकि पर्यटन के केंद्र के रूप में वकिसति करने हेतु उत्तराखंड के पर्यटन वभिग द्वारा शवि सर्कटि प्रारंभ कयिा गया है ।
- यह सर्कटि उत्तराखंड के 24 शवि मंदरिों को शामिल करते हुए पौड़ी गढ़वाल स्थति एकेश्वर महादेव मंदरि से शुरू होकर बागेश्वर स्थति दांडेश्वर मंदरि में समाप्त होता है ।